''मीठे बच्चे – सर्वशक्तिमान् बाप आया है तुम्हें शक्ति देने, जितना याद में रहेंगे उतना शक्ति मिलती रहेगी''

प्रश्नः- इस ड्रामा में सबसे अच्छे ते अच्छा पार्ट तुम बच्चों का है – कैसे?

उत्तरः- तुम बच्चे ही बेहद के बाप के बनते हो। भगवान टीचर बनकर तुम्हें ही पढ़ाते हैं तो भाग्यशाली हुए ना। विश्व का मालिक तुम्हारा मेहमान बनकर आया है, वह तुम्हारे सहयोग से विश्व का कल्याण करते हैं। तुम बच्चों ने बुलाया और बाप आया, यही है दो हाथ की ताली। अभी बाप से तुम बच्चों को सारे विश्व पर राज्य करने की शक्ति मिलती है।

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सारः-

1) ज्ञान को बुद्धि में अच्छी रीति धारण कर अनेक आत्माओं को प्राण दान देना है, स्वदर्शन चक्रधारी बनना है।

2) इस स्वीट संगम पर अपनी कमाई के साथ-साथ बाप की श्रीमत पर चल पूरा वर्सा लेना है। अपनी लाइफ सदा सुखी बनानी है।

वरदानः- स्नेह और नवीनता की अथॉरिटी से समर्पित कराने वाली महान आत्मा भव

जो भी सम्पर्क में आये हैं उन्हें ऐसा सम्बन्ध में लाओ जो सम्बन्ध में आते-आते समर्पण बुद्धि हो जाएं और कहें कि जो बाप ने कहा है वही सत्य है, इसको कहते हैं समर्पण बुद्धि। फिर उनके प्रश्न समाप्त हो जायेंगे। सिर्फ यह नहीं कहें कि इन्हों का ज्ञान अच्छा है। लेकिन यह नया ज्ञान है जो नई दुनिया लायेगा - यह आवाज हो तब कुम्भकरण जागेंगे। तो नवीनता की महानता द्वारा स्नेह और अथॉरिटी के बैलेन्स से ऐसा समर्पित कराओ तब कहेंगे माइक तैयार हुए।

स्लोगनः- एक परमात्मा के प्यारे बनो तो विश्व के प्यारे बन जायेंगे।